वर्ष :: 34 अंक : 30
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 21 अप्रैल, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

टिकट, अदावत और बगावत

अनुपमा देगी ढुल्लू को टक्कर?

- डी. के. वत्स -

धनबाद/बोकारो : धनबाद लोकसभा क्षेत्र के लिए चुनावी घमासान अब रोमांचक मुहाने पर पहुंच चुका है। मौसम के साथ चुनावी तापमान भी बढ़ चुका है। रोमांचक इस मामले में कि प्रत्याशी की घोषणा को लेकर अपने ही सवाल खड़े करने लगे हैं। पहले भाजपा और अब कांग्रेस। एक तो कथित तौर पर आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे ढुल्लू महतो को टिकट देकर बीजेपी ने एक ऐसा माहौल बनाया, जिसका नतीजा अंदरुनी विरोध देखा जा रहा है। भले ही कतिपय वरीय नेता साथ दिखा रहे हैं, लेकिन कार्यकताओं में और बीजेपी के अंदरुनी गलियारे में इस फैसले को लेकर विरोधी तेवर तेज होते दिख रहे हैं। इसी कड़ी में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक एवं पूर्व वरिष्ठ भाजपाई सरयू राय भी दामोदर वाले धनबाद क्षेत्र में सियासत की सरयू प्रवाहित करने के मूड में हैं। उन्होंने ढुल्लू के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है। हालांकि, ढुल्लू भी किसी से कम नहीं। लगातार कई सालों से धनबाद लोकसभा की सीट पर बीजेपी की जीत की वजह से ढुल्लू कॉन्फिडेंट हैं और अपने विरोधियों को लगातार करारा जवाब दे रहे हैं।

इधर, कांग्रेस ने भी इस क्षेत्र से प्रत्याशी की घोषणा कर सभी को चौंका दिया। भाजपा की तरह कांग्रेस ने भी धनबाद संसदीय क्षेत्र से किसी भी बड़े नेता पर भरोसा नहीं जताया और गिरिडीह संसदीय क्षेत्र अंतर्गत बेरमो विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयमंगल सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को टिकट दिया है। कांग्रेस द्वारा बिहार और झारखंड में मंत्री और कोल इंडिया की राजनीति के महारथी रहे स्व. राजेंद्र सिंह की बड़ी बहू अनुपमा सिंह को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद सियासी चर्चा का बाजार गर्म हो गया है। स्व. सिंह के निधन के बाद उनकी सियासी विरासत संभाल रहे उनके बड़े बेटे बेरमो विधायक जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह की पत्नी उस परिवार की पहली महिला हैं, जिन्हें इस चुनाव में वाइल्ड कार्ड इंट्री मिली है। वैसे, अनूप के अनुज कुमार गौरव एक स्मार्ट और तेज-तर्रार लीडर होने के बावजूद धनबाद लोकसभा की टिकट लेने में कामयाब नहीं हो पाए। हो सकता है कि इसके पीछे राजनीतिक समीकरण हो, लेकिन पार्टी के इस ऐलान ने कांग्रेस में अंदरुनी बगावत तेज कर दी है। कांग्रेस के टिकट पर धनबाद लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के अलावा कई ऐसे नेता हैं, जिनके अरमानों पर पानी फिर गया। जाहिर तौर पर उनके समर्थकों में नाराजगी साफ तौर पर देखी जा रही है।

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद रवींद्र पांडेय तक के भी कांग्रेस में शामिल हो सकने की खबरें सुर्खियों में छाई रहीं। हालांकि, अब श्री पांडेय अपने मित्र के कहने पर कांग्रेस मुख्यालय जाने की बात कह रहे हैं। पर कुल मिलाकर, चुनावी तैयारी तेज होने से पहले भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस में भी अंदरुनी खटपट बढ़ती नजर आ रही है। बोकारो से लेकर धनबाद तक इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। इधर, सूत्र बताते हैं कि लगातार जीत दर्ज करनेवाले भाजपा के वर्तमान सांसद पीएन सिंह का टिकट कटने के बाद धनबाद लोकसभा क्षेत्र में क्षत्रिय समाज की सिम्पैथी को जीतने के उद्देश्य से भी कांग्रेस ने यह दूरदर्शी फैसला लिया है।

धनबाद लोकसभा क्षेत्र... कांग्रेस ने खोला अपना पत्ता, पर तेज हुआ अंदरूनी विद्रोह

तस्वीर कुछ कहती है... अनुपमा को सरयू का 'आशीर्वाद'?

धनबाद लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के लिए सबसे ज्यादा परेशानी का कारण बन रहे जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय के साथ कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह की यह तस्वीर भी इन दिनों सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बनी है। अनुपमा सिंह ने अपने पति बेरमो विधायक अनूप सिंह के साथ जमशेदपुर में सरयू राय के आवास जाकर उनसे मुलाकात की और उनसे आशीर्वाद लिया। सरयू राय ने इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है जिसमें वो भाजपा पर तंज कसते हुए कह रहे हैं कि भाजपा के प्रदेश प्रभारी ने शुरू में आक्रामक तरीके से बात की, यहां तक उन्होंने यह भी कह दिया कि अपना ज्ञान अपने पास रखें, जबकि सनातन संस्कृति में यही सिखाया जाता है कि ज्ञान जहां से मिलता है, ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो दिनों से न जाने क्या हुआ है कि भाजपा के लोग कुछ नहीं बोल रहे। श्री राय ने कहा कि धनबाद की जनता भयभीत है और वह जिन मुद्दों को उठा रहे हैं, बीजेपी उसपर नहीं सोचेगी तो इसका असर दूर तक पड़ेगा। भारतीय जनता पार्टी के नेता यदि उम्मीदवार की वजह से अपना संस्कार बदल देंगे, इससे सनातन संस्कृति की रक्षा नहीं हो सकती है। बता दें कि सरयू राय चुनावी मैदान में खुलकर पटखनी देने के उद्देश्य से चुनाव लड़ने का अघोषित फैसला सुना चुके हैं। लेकिन, अब यह तस्वीर सवालों का कारण बन गई है कि क्या वाकई में उनका आशीर्वाद उन्हें अनुपमा को मिलेगा या यह बस एक औपचारिकता मात्र थी? अब वह चुनाव लड़ेंगे या नहीं या अपना अनुपमा को आशीर्वाद देकर ढुल्लू के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे, यह सवाल चर्चा का विषय बन गया है।

चुनाव से पहले एक और झटका... दिग्गज नेता ललन चौबे ने भी छोड़ दी कांग्रेस

चुनाव से पहले कांग्रेस को कोयलांचल में एक और झटका लगा है। पार्टी के दिग्गज नेता ललन चौबे ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता तक से इस्तीफा दे दिया है। चौबे ने पार्टी पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। कांग्रेस के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और मजदूर यूनियन के वरिष्ठ नेता श्री चौबे ने कांग्रेस पर टिकट बेचने का आरोप लगाया है। वह न केवल पार्टी पर बरसे, बल्कि कांग्रेस विधायक अनूप सिंह पर भी कई गंभीर आरोप लगाए। ललन चौबे ने कहा - अनूप सिंह के हाथ न सिर्फ कोयले के काले कारोबार में काले हैं, बल्कि कोलकाता कैश कांड में भी उनकी अहम भूमिका थी। गौरतलब है कि टिकट बंटवारे को लेकर न सिर्फ धनबाद में बवाल मचा है, बल्कि गोड्डा में भी दीपिका पांडे सिंह को कैंडिडेट बनाने का विरोध हो रहा है। कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम का भी कहना है कि एक अल्पसंख्यक को टिकट मिलना चाहिए था, लेकिन पार्टी का फैसला अंतिम होता है, जिसे सबको मानना पड़ता है। टिकट बंटवारे पर कांग्रेस में जारी इस घमासान पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर का कहना है कि उम्मीदवार के नाम के ऐलान के बाद टिकट के बाकी दावेदारों के समर्थकों में निराशा होती है, सबकुछ ठीक हो जाएगा। झारखंड में कांग्रेस ने अबतक 6 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। लेकिन इनमें से सिर्फ एक ओबीसी उम्मीदवार है, जबकि ओबीसी की भागीदारी को लेकर राहुल गांधी लगातार केंद्र पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस के नाराज नेता अब इसी पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन प्रदेश नेतृत्व सरकार बनने के बाद आबादी के मुताबिक भागीदारी का वादा निभाने की बात कह रहा है। कुल मिलाकर टिकट बंटवारे से शुरू हुए घमासान का खामियाजा कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में उठाना पड़ सकता है।

भाजपा ने बताया डमी कैंडिडेट, एकतरफा मुकाबले का दावा

एक ओर जहां भाजपा की कथित मोदी लहर, बाहरी-भीतरी, स्थानीय उम्मीदवार न होना, धनबाद में जमीनी पकड़ न होना, अनुभव की कमी और कांग्रेस के कद्दावर नेताओं को दरकिनार करने सरीखे फैक्टर अनुपमा के लिए चुनौती खड़ी कर सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ भाजपा ने उन्हें डमी कैंडिडेट (दिखावटी उम्मीदवार) बताया है। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियारी के भाजपा विधायक अमर बाउरी ने कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों को लेकर कहा है कि अब लोकसभा चुनाव में मुकाबला एकतरफा हो गया है। कहा कि भाजपा की जीत पक्की हो गई है। धनबाद लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने ह्यडमी कैंडिडेटह्न उतारकर इस विजय की राह पहले से और आसान कर दी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 10 लाख से अधिक वोटों के अंतर से धनबाद लोकसभा सीट पर अपनी जीत दर्ज करेगी। बाउरी ने कहा- यह भी हो सकता है कि धनबाद में कांग्रेस की जमानत जब्त हो जाय। इधर, सरयू राय की संभावित घुसपैठ भी भाजपा के वोटबैंक में सेंधमारी का कारण मानी जा रही है। ऐसे में अनुपमा ढुल्लू को टक्कर दे पाएंगी, कहना कठिन है। पर, राजनीति में कब क्या कैसे हो जाय, कहना मुश्किल है और नतीजा क्या होगा, यह तो जनता ही तय करेगी, फिलहाल बस राजनीतिक दलों के वार रूम से लेकर नुक्कड़ों तक चुनावी चर्चा ही चर्चा छाई हुई है।

जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व महासचिव ने दिया इस्तीफा, लगाया आरोप-

बड़ी रकम लेकर कांग्रेस ने की है टिकट की सौदेबाजी

धनबाद लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस का टिकट बेरमो विधायक जयमंगल सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को दिए जाने के विरुद्ध पार्टी के बोकारो जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम दुबे एवं पूर्व महासचिव सह वर्तमान आजीवन सदस्य अनिल सिंह ने नाराजगी जताते हुए अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने टिकट के बंटवारे में बड़ी रकम लेकर सौदेबाजी का आरोप लगाया है। एक प्रेसवार्ता के दौरान श्री सिंह ने इस आरोप के साथ ही कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। अनिल सिंह ने कहा - मैं कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रभारी से एवं प्रभारी महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ऐसी कौन सी मजबूरी हो गई है कि प्रदेश अध्यक्ष अपने गृह जिला एवं लोकसभा क्षेत्र से एक घरेलू महिला, जिसे राजनीति का ककहरा नहीं आता है, उसे आपने कितने में टिकट बेचा है? धनबाद लोकसभा क्षेत्र की जनता पूछती है। उस महागठबंधन प्रत्याशी ने आज तक किस आन्दोलन में भाग लिया था? इलेक्ट्रोस्टील एवं बोकारो इस्पात संयंत्र (शेष पेज- 7 पर)

- संपादकीय -

ईवीएम पर इतनी हाय-तौबा क्यों?

विज्ञान और तकनीक के साथ चलना ही आज वक्त का तकाजा है। चलना भी चाहिए। जब हम आगे बढ़ चले हैं, तो अब भला पीछे मुड़कर जाने की जरूरत ही क्या है? ईवीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के मामले में भी यही होना चाहिए। दशकों पहले एक दौर था जब बैलेट पेपर से चुनाव हुआ करते थे और मतपेटी का भंडारण, उसका परिवहन सभी अपने-आप में जोखिम भरा और चुनौतीपूर्ण हुआ करता था। वक्त बदला, तकनीक बदली और ईवीएम के जरिए हम वोट देने लगे। अब आने वाले दिनों में घर बैठे मोबाइल से वोट देने की दूरदर्शी योजना पर हमारे वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। लेकिन, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो हमारे बढ़ते कदम को पीछे धकेलने पर तुले हैं। वे ईवीएम से मतदान के औचित्य पर प्रश्न उठाने लगे हैं। ईवीएम पर यह अनर्गल हाय-तौबा अपने-आप में औचित्यहीन है। बहरहाल, आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरूआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और सात संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन इंडिया मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल, सवाल यह है कि विपक्ष भला इससे इतना परेशान क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है। ईवीएम की शुरूआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ भ्रष्ट हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

सदा प्रासंगिक हैं भगवान महावीर के दिए गए उपदेश

श्याम सुन्दर जैन पहाड़िया
प्रांतीय महामंत्री, झारखंड
श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा

21 अप्रैल : 2623वीं जयंती पर विशेष

भगवान महावीर के 2623 वीं जयंती 21 अप्रैल को है। तीर्थंकर भगवान महावीर के उपदेश सदैव अप टू डेट होते हैं। कभी आउट आफ डेट नहीं होते। वे सार्वकालिक होते हैं, सार्वभौमिक होते हैं। अहिंसा तीन काल में हमेशा अहिंसा ही रहेगी उसका कभी स्वरूप नहीं बदलने वाला। देवलोक, मनुष्यलोक, नारकी सबके लिए भगवान के उपदेश एक समान होते हैं। उसमें किसी क्षेत्र विशेष का भेद नहीं होता क्योंकि वे सार्वभौमिक होते हैं। भगवान महावीर ने अपने जीवन में यह कभी नहीं कहा कि हम सब एक हैं, बल्कि सदैव यही कहा कि हम सब एक जैसे है। उनके इस समता मूलक उपदेश ने प्राणी मात्र के हृदय में सहअनुभूति का भाव जागृत कर दिया- परस्परोपग्रहो जीवानाम्।

भगवान ने कहा था - संसार में जितने भी प्राणी है वे सब सुख से जीना चाहते हैं, दुख किसी को प्रिय नहीं है, इसलिए किसी भी प्राणी को कष्ट मत पहुंचाओ और दूसरों के साथ भी ठीक ऐसा ही व्यवहार करो जैसा तुम स्वयं दूसरों से अपने प्रति अपेक्षा करते हो। भगवान ने कहा - आप अपने लिए उतनी ही वस्तुओं का संग्रह करें जितनी आपकी आवश्यकता हो। आपके द्वारा आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह दूसरों के अधिकार को छीनता है और इससे समाज के बीच वर्ग संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है।

भगवान ने कहा कि जो मैं कहता हूं उसे आप अपने तर्क की कसौटी पर कसकर अनुभूति से स्वीकार करना, अन्यथा यह सत्य तुम्हारा नहीं बन पाएगा। मेरे अद्भुत व्यक्तित्व के प्रभाव में आकर जो मैंने कहा है उसे ऊपर से स्वीकार भी कर लिया कोई लाभ नहीं होगा, क्योंकि वह तो एक नए अंधविश्वास एवं पोपडम को ही जन्म देगा। इस बात का पूर्वाग्रह छोड़ो कि जो मैं कहता हूं वह ही सत्य है, सत्य वह भी हो सकता है जो दूसरे कहते हैं। वस्तु का स्वरूप अनेकांतमई होता है। आप जब किसी विषय की व्याख्या कर रहे होते हैं तब एक समय में एक को ही मुख्य करके कह सकते हो, उस समय शेष अपेक्षाएं गौण रहती है, समाप्त नहीं हो जाती। इसलिए, कथन करते वक्त वाणी में सदैव स्यात् अथवा कथंचित का प्रयोग किया करें। भगवान महावीर का अनेकांत का सिद्धांत जैन दर्शन को सर्व धर्मो में गौरवपूर्ण स्थान प्रदत करता है।

भगवान ने सद गृहस्थों के लिए पंचाणुव्रत का उपदेश दिया है। वस्तुतः यह सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अचौर्य एवं अपरिग्रह कहने की अपेक्षा अलग-अलग हो सकते हैं, किंतु वस्तुतः तो एक ही है। मेरे विचार से जहां अहिंसा होती है वहां शेष अणुव्रतों का अनुपालन युगपत होता है। सार रूप बात यह है कि जैन वह है, जिसके विचारों में अनेकांत, वाणी में स्याद्वाद एवं आचरण अहिंसा हो।

घटनाओं की अपेक्षा यद्यपि भगवान महावीर का जीवन कोई खास नहीं था। उन्होंने अपने आरंभ के 30 वर्ष अपने राजप्रसाद में व्यतीत किए, पश्चात 12 वर्ष तक जंगल में जाकर कठोर तप साधना की तथा जीवन के शेष 30 वर्ष उन्होंने अपने ज्ञान से प्राप्त रश्मि के दिव्य आलोक में मानव मनीषा के सुप्त हृदय को जागने में लगा दिये।

किसी भी एक क्षत्रिय कुमार के लिए खेल ही खेल में किसी मदोन्मत हाथी को वश में कर लेना अथवा किसी भयंकर विषधर को रास्ता नापने पर विवश कर देना कोई महत्व की बात नहीं होती, किंतु एक क्षत्रिय कुमार होते हुए भी मानव मनीषा के दुखों से द्रवित होकर निर्जन वन की शरण में चले जाना अद्भुत बात होती है और उनकी इसी बात ने उनको राजकुमार वर्धमान से जन-जन के पूज्य भगवान महावीर बना दिया।

उल्लेखनीय कि भगवान महावीर का निर्वाण संवत् देश और दुनिया के समस्त संवतों में सबसे प्राचीन है - 2550 वर्ष। ईशा से 599 वर्ष पूर्व वैशाली के कुंडग्राम में महाराज सिद्धार्थ की राजमहिषी त्रिशला के गर्भ से जन्मे महावीर प्रभु ने संपूर्ण भारतवर्ष सहित विदेशों में ऑक्सीनिया, यूनान, मिश्र, बल्ख, कंधार, लालसागर के निकटवर्ती देश तूरान आदि 50 से अधिक देशो में पद विहार कर धर्म का उपदेश दिया। भगवान महावीर का उपदेश हर काल में प्रासंगिक है। मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है, जियो और जीने दो, अहिंसा परमो धर्म जैसे उनके परोपकारी संदेश सदैव जीवंत रहेंगे।

हिन्दी कविता

तुम्हारी कमी बहुत खलती है

साँझ परे, सूरज ढले, दीप जले
जब चिड़िया अपने कोटर में आ बैठती हैं
निगाहें अपनेआप चौखट पर जा टिकती हैं
न सुनाई पड़ने वाली पदचाप याद आते ही
तुम्हारी कमी बहुत खलती है।

शीशे के सामने, बेकाबू हो नयन
जब ढूंढते हैं माँग से विलुप्त हुआ सिंदूर
बिना किसी चूक के क्यों सोलह सिंगार हुआ दूर
यह सिंगार फिर न सजेगा, सोचते ही
तुम्हारी कमी बहुत खलती है।

बनाती हूँ तुम्हारी पसंद का भोजन,
पर कोई नहीं, जो भोजन में कमी बताए
चुहल बाजी कर, बिन मतलब हँसे और सताए
उन स्मृतियों के घेरे में जब आँसू बहते हैं
तुम्हारी कमी बहुत खलती है।

बाग बगीचे बाजार जहां भी जाती हूँ
देख जोड़ों का साथ, तड़प उठता है मन
निगाहें अतृप्त ही रहेंगी, करूँ चाहे जितना जतन
सूनी तकिया पर बोझिल सिर टिकाते ही
तुम्हारी कमी बहुत खलती है।

तन-मन दोनों भीषण रुग्ण राह पर है
फिर भी बेहिसाब खटाती हूँ, रोगी बनी काया को
मेरा कुछ भी नहीं, सोच भगाती हूँ मन से माया को
पर, तनय का मासूम चेहरा देखते ही
तुम्हारी कमी बहुत खलती है।

साथी के बिछुड़ने का दारुण दर्द
और अपनों का, अदृश्य रूप से बदल जाना
कहो कब किसने कैसे, इस बिगड़े धुंध को पहचान
टीस मिटाने को, जब उद्वेलित होती हूँ तब
तुम्हारी कमी बहुत खलती है।

- डॉ.सविता मिश्रा मागधी -
बेंगलुरू

गुणवत्तायुक्त विद्युतापूर्ति और उपभोक्ताहित को ले डीवीसी है तत्पर : चेयरमैन एस. सुरेश

संवाददाता
बोकारो : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के अध्यक्ष एस. सुरेश कुमार (भाप्रसे) ने कहा कि दामोदर घाटी निगम देश में गुणवत्तायुक्त बिजली उत्पादन-वितरण और उपभोक्ताओं की समस्या को समाधान के लिए हमेशा तत्पर है। नगर के सेक्टर-1 स्थित होटल हंस रीजेंसी के सभागार में आयोजित डीवीसी के विद्युत उपभोक्ताओं के साथ वार्तालाप में उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की उचित सलाह पर वे उचित कार्रवाई करने के लिए प्रयासरत हैं। डीवीसी उत्तम बिजली उत्पादन, समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करने के लिए पूर्ण प्रयासरत है। डीवीसी कमांड एरिया में विद्युत उत्पादन के लिए विस्तारीकरण और सामाजिक कार्य करने के लिए कटिबद्ध है।

इस मौके पर सदस्य (तकनीकी) एम. रघुराम ने कहा कि डीवीसी उपभोक्ताओं को 24 घंटा बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए हमें देश के लोगों के सहयोग की जरूरत है। डीवीसी के पास वर्तमान समय में पर्याप्त मात्रा में कोयला है। डीवीसी विद्युत उत्पादन और वितरण में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सदस्य सचिव जॉन मथाई ने कहा कि दामोदर घाटी निगम देश और विदेश में विद्युत की आपूर्ति कर रहा है। भारत की आजादी के बाद से ही देश और समाज की उन्नति के लिए डीवीसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि डीवीसी विद्युत उत्पादन के साथ - साथ शिक्षा, स्वास्थ्य सहित समाज की उन्नति के लिए अग्रसर रहा है। देश की उन्नति के लिए हम सभी को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। सदस्य (वित्त) अरूप सरकार ने डीवीसी की कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रकाश डाला और कहा कि डीवीसी का उत्थान देश और समाज के उत्थान से जुड़ा हुआ संगठन है। डीवीसी आर्थिक और सामाजिक रूप से देश और समाज को समृद्धशाली बनाने के लिए सक्षम है। डीवीसी वर्तमान में कई परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। आने वाले समय में डीवीसी विद्युत उत्पादन सहित अन्य सामाजिक कार्यों को सफल बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

इस क्रम में डीवीसी के अध्यक्ष एस. सुरेश कुमार ने उत्तम विद्युत उपभोक्ताओं के रूप में कोलकाता करवाईड , मैयहर एलवाइज, सुंदरम स्टील प्राइवेट लिमिटेड और सियाजी इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। समारोह में सैकड़ों विद्युत उपभोक्ताओं ने भाग लिया और डीवीसी के कार्यकलापों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यपालक निदेशक (वित्त) संजीव श्रीवास्तव आदि ने भी समारोह के संबोधन में डीवीसी के कार्य प्रणाली पर विशेष प्रकाश डाला और उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि वे एक दूसरे के पूरक बने। समारोह में कार्यपालक निदेशक दिनेश कुमार सिंह, राजेश कुमार, अंजनी दबे, सुभाष सिंह, मनोज कुमार ठाकुर, अविजीत घोष, राजीव रंजन सिन्हा आदि उपस्थित थे। समारोह का संचालन सर्वजीत सिंह और अरविंद कुमार ने किया।

ऐश पौंड की बदहाली पर भड़के, फटकारा

बोकारो थर्मल : डीवीसी चेयरमैन माप्रसे अधिकारी एस सुरेश कुमार अपने दौरे के क्रम में बोकारो थर्मल नूरीनगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड पहुचे। डीवीसी चेयरमैन के साथ मेंबर टेक्निकल

एम रघुराम, मुख्य महाप्रबंधक सुभाष सिंह भी थे। ऐश पौंड पहुंचने पर बोकारो थर्मल के एचओपी आनंद मोहन प्रसाद, वरीय जीएम एफजीडी एसएन प्रसाद ने पौधा देकर चेयरमैन एवं मेंबर टेक्निकल का स्वागत किया। बाद में चेयरमैन अधिकारियों के साथ ऐश पौंड स्थित रिकवरी सिस्टम, सेटलिंग पौंड देखने पहुंचे। चेयरमैन एवं मेंबर टेक्निकल ने ऐश पौंड से व्यापक पैमाने पर उड़ रही छाई एवं पौंड में चारों ओर बिखरी छाई को देखकर नाराजगी जताते हुए सिविल के डीजीएम विश्वमोहन गोस्वामी सहित राहुल उरांव, पवन कुमार आदि को डांट पिलाई। मेंबर टेक्निकल ने स्थानीय एचओपी से डीजीएम सिविल को लंबी छुट्टी पर भेजने की भी बात कही। पौंड से उड़ रहे व्यापक पैमान के छाई को नियंत्रित करने के लिए चेयरमैन ने एचओपी को निर्देश दिया कि पौंड के रिकवरी पंप से गार्ड लैंडिंग पाइपलाइन के द्वारा उड़नेवाली छाई को नियंत्रित किया जा सकता है। डीजीएम सिविल द्वारा इस सिस्टम के भी सक्सेस नहीं होने की बात कहे जाने पर मेंबर टेक्निकल ने उन्हें एनटीपीसी के दूसरे प्रोजेक्टों में जाकर देखकर आने की बात कही। चेयरमैन ने स्थानीय स्तर पर ट्रैक्टरों के द्वारा ऐश पौंड पर जल छिड़काव की भी बात कही। मौके पर डीवीसी के जीएम ओएंडएम एस भट्टाचार्य, जीएम विद्युत एस भद्रा, डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर, वरीय प्रबंधक मैकनिकल मनीष कुमार चौधरी, सिविल अभियंता अमित कुमार, स्थानीय थाना के सअनि अरविंद मेहता, बैजून मरांडी जवानों के साथ थे।

प्रतिभा विभिन्न ओलंपियाडों में इस्पातनगरी के विद्यार्थियों ने दिखाए अपने दमखम, विशेष एसेंबली के साथ बच्चों को किया गया पुरस्कृत

अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमके बोकारो के सितारे

संवाददाता
बोकारो : झारखंड की शैक्षणिक राजधानी मानी जानेवाली इस्पातनगरी बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी मेधाविता का कुशल परिचय दिया है। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय एंव अंतरराष्ट्रीय स्तर के ओलंपियाडों में शानदार सफलता दर्ज कर इस अपने स्कूल, शहर और राज्य को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालयों में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित कर उन तमाम मेधावी विद्यार्थियों क सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

चिन्मय विद्यालय के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

चिन्मय विद्यालय बोकारो के मेधावी छात्र श्रीवत्स चटर्जी, सौम्य साकेत, ओम दिव्यदर्शी, निशांत राज, आदित्य नारायण सिंह, आयुष तिवारी एवं शिवांश कुमार ने विभिन्न विषयों के ओलंपियाड में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए मेडलों की झड़ी लगा दी है। शिव चटर्जी कक्षा 9वी के छात्र हैं। उसने अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशन ऑफ कंप्यूटर ओलिंपियाड में रैंक वन, इंटरनेशनल फाउंडेशन मैथ ओलंपियाड में जोनल रैंक वन, इंटरनेशनल फाउंडेशन साइंस ओलंपियाड में सिल्वर मेडल, इंटरनेशनल फाउंडेशन हिंदी ओलंपियाड में गोल्ड मेडल एवं इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ संस्कृत ओलंपियाड में गोल्ड मेडल लाकर अपनी अनोखी प्रतिभा का परिचय दिया है। वहीं, सौम्य साकेत कक्षा 9वी के छात्र ने इंटरनेशनल फाउंडेशन साइंस ओलंपियाड में रैंक वन, इंटरनेशनल फाउंडेशन रीजनिंग एंड एप्टीट्यूड ओलंपियाड में जोनल रैंक वन, इंटरनेशनल फाउंडेशन स्पेल टैलेंट ओलंपियाड में गोल्ड मेडल जीते। अन्य विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा को भी उनके विशिष्ट योगदान के लिये फाउंडेशन के द्वारा सम्मानित किया गया। सभी मेधावी छात्रों को विद्यालय के अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय एवं प्राचार्य सूरज शर्मा ने प्रातः सभी मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।

संस्कृत ओलंपियाड - डीपीएस बोकारो का ऐतिहासिक प्रदर्शन

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी कुशल मेधाविता का लोहा मनवाया है। इंटरनेशनल ओलंपियाड फाउंडेशन (आईओएफ) की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड में विद्यालय का ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता में पहली बार सर्वाधिक 85 छात्र-छात्राओं ने शानदार सफलता दर्ज की है। खास बात यह कि छह विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंक 1 पाई है और तीन को जोनल रैंक 1 मिली। इन्हें मिलाकर कुल 34 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने विद्यालय, बोकारो शहर एवं झारखंड का नाम गौरवान्वित किया है। इंटरनेशनल रैंक -1 पाने वालों में कक्षा छह से अदिरा दीप, सातवीं कक्षा के उज्ज्वल पांडेय, आराध्या सिंह एवं अवनी प्रियदर्शी तथा कक्षा 10 की प्राप्ति दास एवं अमोघ आनंद झा के नाम शामिल हैं। वहीं, कक्षा 8 के ओम प्रकाश पात्रा व संस्कृत सिंह तथा नौवीं कक्षा के छात्र कुणाल आनंद ने जोनल रैंक 1 हासिल की है। इन्हें गोल्ड मेडल, गोल्ड बैज, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट मिले हैं। एक स्पेशल एसेंबली के दौरान विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने देवभाषा संस्कृत की ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक और वैश्विक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संस्कृत की उक्त अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया।

बीएसएल अफसरों की सुरक्षा व सुविधा की बनाई रणनीति

बीएसओए की नई समिति ने पदभार संभाला

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील ऑफिसर्स एसोसिएशन (बीएसओए) की नई समिति ने अपना पदभार संभाल लिया। सोमवार देर रात तक चली पूर्व निर्धारित जनरल बॉडी मीटिंग समाप्त हुई, जिसमें पुरानी कमेटी से नई कमेटी को कार्यभार सौंप दिया गया। इस अवसर पर अधिकारियों की सुविधाओं, सुरक्षा सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। नए ऑडिटर की नियुक्ति पर चर्चा हुई एवं पूर्व कमेटी के कोषाध्यक्ष ने जनवरी 2024 तक का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। आमसभा में बीएसओए के माध्यम से मेडिकल इंश्योरेंस पर भी विशेष चर्चा हुई।

महासचिव अजय कुमार पाण्डेय ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मेडिकल इंश्योरेंस के लिए एक कमेटी गठित कर दी गई है। इस पर बीते 9 अप्रैल को नवनियुक्त बीएसओए काउंसिल की मीटिंग हुई थी, जिसमें जल्द ही मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए कार्य प्रारंभ करने का निर्णय लिया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि एसोसिएशन की नई टीम एकजुट होकर सभी अधिकारियों की सुविधा, उनके सम्मान, अस्पताल व्यवस्था, कंपनी क्वार्टर के रखरखाव आदि में सुधार एवं अधिकारियों के घर परिवार की सुरक्षा को दुरुस्त करने की दिशा में जल्द ही संबंधित विभाग अथवा एजेंसी के साथ मीटिंग करेगी।

श्री पांडेय ने कहा- हम सब बीएसओए की नई टीम एक साथ मिलकर अधिकारी वर्ग की भलाई के लिए कार्य करने को कृत संकल्प है और नई टीम कुछ नया कर एक मिसाल कायम करेगी।

नई कार्यसमिति में अशोक कुमार उपाध्यक्ष, मनोज कुमार उप महासचिव, वीएस नारायण कोषाध्यक्ष, कौशल कुमार राय, संयुक्त कोषाध्यक्ष तथा रंजक पांडे, प्रवीण कुमार, शरद गंगवार, ओम प्रकाश, सुजीत रावत एवं लखविंदर सिंह विभिन्न विभागों के लिए सचिव बनाए गए हैं।

बिजली कनेक्शन दिया ही नहीं और विभाग ने भेज दिया 15 हजार का बिल

संवाददाता

गोमिया : बोकारो जिले में बिजली विभाग की एक और कारिस्तानी सामने आई है। जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत साड़म बंगाली टोला में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया। 70 वर्षीय एक विधवा नूनीबाला नायक के घर विभाग ने बिजली का कनेक्शन दिया ही नहीं और 15 हजार से अधिक का बिल भेज दिया। इसका खुलासा तब हुआ जब झारखंड आंदोलनकारी इफ्तेखार महमूद के नेतृत्व में भाकपा राजद के चल रहे जन अभियान के तहत एक दल नूनीबाला के घर पहुंचा। बताया गया कि नूनी बाला नायक नामक महिला (ग्राहक सं. एसएमके 0530) का बिना बिजली कनेक्शन का बिजली आपूर्ति अवर प्रमंडल गोमिया (कथारा) द्वारा 15399 रुपए बकाया बिजली बिल जारी किया गया। कथित बकाया होने के कारण बिजली आपूर्ति निगम का दस्ता लाइन डिस्कनेक्ट करने के लिए उक्त वृद्ध महिला के घर गत 21 मार्च को पहुंचा, किंतु लाइन कनेक्शन नहीं पाये जाने पर दस्ता बैरंग लौट गया। महमूद ने

बतलाया कि सरकारी योजना के तहत वर्ष 2017 में उक्त महिला को कंज्यूमर बना दिया गया, किंतु कनेक्शन नहीं दिया गया। कनेक्शन देने का सत्यापन बिना किए बिजली बिल जनरेट किया जाने लगा जो दिसंबर 2023 तक 15399 रुपए बिजली बिल हो गया। श्री महमूद ने कहा कि विगत 6 साल में बिजली बिल देने के लिए जवाबदेह कर्मी उक्त महिला के घर कभी नहीं पहुंचे और न ही बिजली बिल वितरण होने का अधिकारियों द्वारा कभी भी निरीक्षण किया।

अभियान लोकसभा निर्वाचन 2024 में अधिकाधिक मतदान को ले डाक विभाग का अहम कदम

'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' नारे के साथ चिट्ठी बांट वोटरों को जागरूक कर रहे डाककर्मी

संवाददाता

बोकारो : लोकसभा चुनाव 2024 में आधिकारिक मतदाताओं की भागीदारी हो और उनका एक-एक वोट एक विकासोन्मुखी सरकार बनाने में सहायक हो, इसके लिए भारतीय डाक ने भी अनूठा कदम आगे बढ़ाया है। बोकारो में धनबाद मंडल के वरीय डाक अधीक्षक उत्तम कुमार सिंह के मार्गदर्शन में बोकारो के सहायक डाक अधीक्षक अभिजीत रंजन के नेतृत्व में डाककर्मी मतदाता जागरुकता अभियान चलाने में लग गए हैं। प्रधान डाकघर, सेक्टर-2 के डाकपाल सतीश कुमार के नेतृत्व में अभियान जोर-जोर से शुरू हो गया है।

डाकिया घर-घर इन दिनों जो चिट्ठी या अन्य डाक पहुंचा रहे हैं, उन पर 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' लिखी मुहर लगाकर उसकी डिलीवरी करते हैं। इसके साथ ही वे वोटरों से अपना वोट अवश्य डालने की अपील भी कर रहे हैं। विपणन पदाधिकारी कौशल कुमार उपाध्याय के अनुसार, डाक विभाग भारत निर्वाचन आयोग के मानदंडों के मुताबिक मतदाता जागरूकता अभियान में जिला प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को कटिबद्ध है। इस दिशा में एक तरफ जहां नारालिखित स्टांप लगाकर पोस्टल डिलीवरी की जा रही है, वहीं दूसरी ओर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं प्रमुख स्थलों पर पोस्टर व बैनरों के माध्यम से भी वोटरों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

एएसपी अभिजीत ने कहा कि मताधिकार प्रत्येक भारतवासी का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है। इसके जरिए वे देश का भविष्य गढ़ पाने में सक्षम हो पाते हैं। एक बार पुनः देश में यह शुभ अवसर आया है। ऐसे में प्रत्येक मतदाता को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना ही चाहिए। इस दिशा में भारतीय डाक हरसंभव सहयोग के लिए कटिबद्ध एवं तत्पर है।

हफ्ते की हलचल

श्री रामनवमी पर राममय बनी रही इस्पातनगरी

बोकारो : मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का पावन पर्व रामनवमी बोकारो, उपशहर चास सहित पूरे जिले में पूरे धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। शहर से गांव तक जगह-जगह भव्य जुलूस निकाले गए। एक तरफ जहां मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा, वहीं दूसरी तरफ जोशो-खरोश भी परवान पर दिखा। जुलूस के दौरान युवाओं के साथ-साथ महिलाओं और बुजुर्गों ने भी पारम्परिक अस्त्र-शस्त्र चलाने की कला प्रदर्शित की। इधर, रामनवमी पर इस्पातनगरी की फिजा में हर तरफ जय श्री राम के गगनभदी नारे ही गूंजते रहे और पूरा शहर चारों तरफ महावीरी झंडों से पटा रहा। हरेक चौक-चौराहा, गोलंबर, गली-मुहल्ला और तमाम बिजली के खंभों पर राम-हनुमान के चित्र वाले भगवा झंडे और पताके लहराते रहे।

भक्तिमय उत्साह में पथराव ने डाला खलल

बोकारो : बोकारो में एक बार फिर रामनवमी जुलूस के दौरान पथराव का मामला सामने आया। पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जाला गांव में प्रशासनिक तत्परता से मामला शांत तो हो गया, लेकिन इस घटना ने भक्तिमय उत्साह और सांप्रदायिक सौहार्द में खलल डालकर दो-तीन दिन के लिए स्थिति तनावपूर्ण जरूर बना दी। क्षेत्र में निषेधाज्ञा क्षेत्र में लागू रही। भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे और कर्फ्यू जैसे हालात में ग्रामीण दिनभर अपने घरों में कैद रहे। मस्जिद के पास से होकर गुजर रहे जुलूस को रोकने के बाद दो पक्षों में बहस के बाद रोड़ेबाजी की घटना हुई, जिसमें मजिस्ट्रेट अमृत टोपनो व पिंड्राजोरा थाना के एएसआई किशोर सहित कई लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने इस संबंध में दोनों पक्षों के करीब 12 लोगों को नामजद व दो दर्जन से अधिक अज्ञात को आरोपी बनाया है।

बाइपास रोड में चास रोटरी ने की प्याऊ की व्यवस्था

बोकारो : रोटरी क्लब चास ने चास में चल रही हीट वेव में राहगीरों को राहत देने की उद्देश्य से बायइपास रोड, चास में प्याऊ की व्यवस्था की। क्लब की अध्यक्षा पूजा बैद ने कहा कि चास मुख्य बाजार होने के कारण बड़ी संख्या में यहां ग्रामीण खरीददारी करने आते हैं, परंतु भीषण गर्मी में उन्हें पीने के पानी की किल्लत झेलनी पड़ती है। अब उन्हें परेशानी नही होगी। समाजसेवी संपतमल ने प्याऊ का शुभारंभ करते हुए जन-उपयोगी सेवा के लिए रोटरी क्लब चास के कार्यों को सराहा। मौके पर कार्यक्रम संयोजक धनेश बंका, संजय बैद, मंजीत सिंह, बिनोद चोपड़ा, आनंद अग्रवाल, गणेश, धनंजय आदि मौजूद रहे।

रोटरी मिडटाउन ने भिक्षुकों में बांटे चप्पल

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स क्लब के सदस्यों ने साईं मंदिर सेक्टर - 6, सेक्टर 5 एवं सेक्टर 4 में भिखारियों के बीच चप्पल का वितरण किया। उनलोगों को चप्पल पहनाए, जिनके पैरों में पहनने के लिए पर्याप्त जूते नहीं थे और वे नंगे पांव धूप में चलने को विवश थे। क्लब के प्रवक्ता अनूप अग्रवाल ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य हो लोगों के दुख और कठिनाई को कम करने और जीवन को आशावान बनाना है। अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल ने कहा कि क्लब पूरी गर्मी इसी तरह जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर उनकी सहायता करने का प्रयास जारी रखेगा। इस अवसर पर साक्षी जौहर, अमित जौहर, मिनी, शिव अग्रवाल, कविता, राजा, अलका जैन, दिव्या, पुनीत जौहर, अनूप त्रिपाठी, विकास जैन, अनुपम गर्ग आदि मौजूद रहे।

ढुल्लू के कब्जे में है 50 एकड़ से अधिक रैयती और सरकारी जमीन, मंदिर को भी हथियाया

सियासत... धनबाद लोस क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ सरयू राय का एक और धमाका

विशेष संवाददाता

धनबाद : धनबाद लोकसभा क्षेत्र के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी ढुल्लू महतो और निर्दलीय लड़ने का फैसला ले चुके जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक एवं पूर्व मंत्री सरयू राय के बीच लगातार टशन बढ़ता दिख रहा है। प्रेस को जारी अपने एक बयान में श्री राय ने ढुल्लू महतो पर किसानों सहित कई रैयतों की जमीन जबरन हथियाने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ताओं के आरोप के आधार पर श्री राय ने कहा कि 50 एकड़ से अधिक रैयती और सरकारी जमीन पर ढुल्लू महतो ने अपना कब्जा जमा रखा है। श्री राय ने कहा- भाजपा के झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धनबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा के घोषित प्रत्याशी के कतिपय कारनामों से अवगत करना चाहता हूं। धनबाद संसदीय क्षेत्र के भाजपा के घोषित प्रत्याशी, संप्रति बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं। बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के लेदीडुमर गांव (मौजा संख्या 116) के किसानों ने दो दिन पहले मुझे पत्र लिखकर अपनी पीड़ा से अवगत कराया है।

इनलोगों की जमीन हड़पने का है आरोप

1. त्रिपुरारी सिंह – जमीन मौजा लेदीडूमर, मौजा नं.-116 खाता नं.- 92 एवं 40, प्लॉट नं. 323/328/342/343/368/412/417/255/259/270/282 एवं 291 कुल रकबा 03 एकड़ 99 डिसमील में आधा अंश 01 एकड़ 99 डिसमील।

2. आसु सिंह – जमीन मौजा लेदीडुमर, मौजा नं.-116 खाता नं.- 43, 9, 4, 3, प्लॉट नं.- 45, 419, 420, 414, 422 इत्यादि रकबा 3 एकड़।

3. श्यामजी सिंह – जमीन मौजा लेदीडूमर, मौजा नं.- 116 खाता संख्या-11 प्लॉट नं.- 298, 299, 300 कुल रकबा 50 डी० लेदीडुमर के नाम से है।

4. जीवन सिंह – जमीन मौजा लेदीडुमर, मौजा नं.-116 खाता नं.- 9, 10 प्लॉट नं.- 423, 416 कुल रकबा 50 डिसमिल।

5. मौजा संख्या– 116, खाता संख्या-121, 296, 319, 292, 315, 416, (बजरंगबली मंदिर) प्लॉट संख्या-357 (रघुगुड़िया) 350

6. बजरंगबली मंदिर एवं तालाब सरकारी चापाकल इत्यादि सभी जबरदस्ती की घेराबन्दी।

बेटे के नाम तुमादाहा मौजा में चल रही कोक इंडस्ट्री

सरयू राय ने भाजपा, झारखंड के प्रदेश प्रभारी और देश के प्रधानमंत्री को आवश्यक दस्तावेजों के हवाले से मीडिया के माध्यम से एक और मामला उजागर किया है। कहा कि ढुल्लू महतो के सुपुत्र प्रशांत कुमार ने अंचल गोविंदपुर, मौजा तुमादाहा में करीब 1.50 एकड़ भूखंड पर श्री जगन्नाथ कोक इंडस्ट्रीज स्थापित की है, जो मौजा तुमादाहा के प्लॉट संख्या 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77 और 78 पर स्थापित है। इसका क्षेत्रफल करीब 1.50 एकड़ है। इस संबंध में संलग्न प्रासंगिक दस्तावेजों में श्री जगन्नाथ कोक इंडस्ट्रीज के मालिक प्रशांत कुमार, पिता - श्री ढुल्लू महतो की अद्यतन आय का विवरण, जीएसटी विवरण के साथ ही अंचल अधिकारी, गोविंदपुर, धनबाद का पत्र संख्या 170, दिनांक 24.01.2023 भी संलग्न है। ये सभी दस्तावेज साबित करते हैं कि यह उद्योग श्री ढुलू महतो के सुपुत्र का ही है। करीब 1.50 एकड़ क्षेत्र में स्थापित श्री जगन्नाथ कोक इंडस्ट्रीज के मालिक प्रशांत कुमार, पिता - ढुलू महतो, ग्राम - चिटाही, टुण्डु, बरोरा, धनबाद की कुल आय (वर्ष 2022-23) में 17,77,810 (सतरह लाख सतहत्तर हजार आठ सौ दस) रुपए है जबकि श्री जगन्नाथ कोक इंडस्ट्रीज जिस जमीन पर स्थापित है उसकी कुल कीमत सरकारी दर पर 50 से 60 लाख रुपए के करीब है। श्री राय ने कहा- इसके पूर्व भी मैंने प्रशांत कुमार का 2.06 करोड़ रुपए कीमत की जमीन खरीदने का अधिकारिक दस्तावेज जारी किया था। भाजपा नेताओं से धनबाद क्षेत्र की जनता जानना चाहेगी कि इतनी बड़ी राशि उन्होंने कहां से प्राप्त की है। क्या यह आय से अधिक संपत्ति का प्रमाण नहीं है?

बोले ढुल्लू- विरोधियों के पास कोई मुद्दा नहीं, इसलिए लगा रहे अनर्गल आरोप

तालगड़िया : भाजपा के धनबाद लोकसभा क्षेत्र प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास की राह पर चलने वाली पार्टी है। पार्टी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। विरोधी दलों के लोगों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए अपने परिवार की सोचने वाले लोग ही उनपर अनर्गल आरोप लगाते हैं। श्री महतो अमलाबाद मंडल के नवाडीह स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा कि बाघमारा क्षेत्र के लोग तीन-तीन बार सेवक के रूप में विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। सडक से सदन तक जनता की आवाज को बुलंद किया। अगर लोकसभा चुनाव में भी जनता सेवक के रूप में काम करने का मौका दिया तो, जो भी समस्याएं होगी, उनका चुनौती के रूप में समाधान करने का प्रयास करेंगे। कार्यकर्ताओं ने चंदनकियारी विस से डेढ़ लाख मत भाजपा की झोली में भरने का संकल्प लिया। मौके पर भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अंबिका खवास सहित विनोद गोराई, फटीक दास, गोउर रजवार, निमाई महथा, हेमंत शेखर, समरेश महथा, राधेश्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल तक गुहार, हक मांगने पर मिलती है धमकी

सरयू राय के अनुसार, किसानों का कहना है कि इस संबंध में वे धनबाद के उपायुक्त और झारखंड के राज्यपाल को भी क्रमशः 17.10.2022 और 23.03.2022 को अवगत करा चुके हैं। उनकी और आसपास के कतिपय गाँवों की 50 एकड़ से अधिक रैयती जमीन और इससे अधिक सरकारी जमीन पर विधायक ढुल्लू महतो ने जबरन कब्जा में ले लिया है और घेराबंदी कर दी है। घेराबंदी के भीतर जाली ट्रस्ट बनाकर ह्यपुना महतो सेवा संस्थानह्ल के बैनर तले कौशल विकास केन्द्र चला रहे हैं। चहारदीवारी के भीतर गांव का सार्वजनिक मंदिर भी है। किसानों ने अपने पत्र में जिसे उन्होंने धनबाद के उपायुक्त को दिनांक 17.10.2022 को लिखा है और बाद में माननीय राज्यपाल झारखंड को उन्होंने दिनांक 23.03.2022 को पत्र भेजकर अपनी पीड़ा से अवगत कराया है। बताया है कि बाघमारा अंचल के लेदीडुमर (मौजा संख्या 116), चिटाही एवं दरिदा (मौजा संख्या 120) के साथ ही मुराईडीह गांव के रैयतों की पुश्तैनी जमीन पर भी बाघमारा विधायक ने जबरिया कब्जा कर लिया है। जब वे अपना हक मांगते हैं तो उन्हें धमकी मिलती है और झूठे मुकदमों में फंसा दिया जाता है। ग्रामीणों का पुश्तैनी हनुमान मंदिर, सरकारी तालाब, सरकारी चापाकल, सरकारी जमीन तथा कतिपय आदिवासी जमीन को भी विधायक जी ने अपने कब्जा में ले लिया है। त्रिपुरारी सिंह, आसु प्रसाद सिंह, श्याम जी सिंह, शिवनारायण सिंह का कहना है कि उन्होंने राज्यपाल को लिखित इस पत्र की प्रति उन किसानों ने उपनिदेशक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रांची, महानिरीक्षक, राज्य मानवाधिकार आयोग, रांची, उपायुक्त, धनबाद, अंचलाधिकारी, बाघमारा, थाना प्रभारी, बरोरा (मुराईडीह) एवं मुख्य न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची को भी दी है परंतु कोई कारवाई नहीं हुई है।

लू की आगोश में झारखंड

विशेष संवाददाता

रांची/बोकारो : झारखंड में गर्मी अब अपने प्रचंड रूप में आ चुकी है। तापमान में दिनानुदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। गर्मी के मौसम में शनिवार का दिन सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया। मौसम-विज्ञान केन्द्र, रांची के अनुसार राज्य में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। इधर, पूरे राज्य में उष्ण लहर (हीट वेव) यानी लू को देखते हुए सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश शनिवार को जारी कर दिया। अत्यधिक गर्मी पड़ने एवं लू को ध्यान में रखते हुए संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में कक्षा केजी से कक्षा 08 तक की कक्षाएं सुबह 7.00 बजे से 11.30 बजे तक एवं कक्षा 09 से ऊपर की कक्षाएं सुबह 7.00 बजे से 12.00 बजे तक संचालित करने एवं इस अवधि में प्रार्थना-सभा या खेलकूद एवं अन्य गतिविधियां धूप में संचालित नहीं करने का निर्देश जारी किया गया है। गर्मी के इस रौद्र रूप के कारण बोकारो जिले का आम जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम ऐसा कि मानो आसमान अंगारे बरसा रहा हो और धरती शोला बन चुकी हो।

लू के थपेड़े शरीर झुलसा रहे हैं। सुबह के आठ बजे के बाद से ही लू के थपेड़े चलने लग रहे हैं। झुलसाती गर्मी की तपिश में सड़कों पर दोपहिया या पैदल चलना शोलों से गुजरकर चलने जैसा प्रतीत हो रहा है। लोग अभी से ही घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। वे दिन भर घर में दुबके रहने को विवश हैं। अनिवार्यतावश लोग निकलते भी हैं तो पूरे एहतियात के साथ मुंह बांधे। लोगों का कहना है कि अभी से ही गर्मी जब खून जला रही है तो मई और जून आते-आते क्या होगा? मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार, फिलहाल कुछ खास राहत के आसार नहीं हैं। कुछ जगहों पर कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है।

पुपरी के अग्निशमन पदाधिकारी एवं कर्मचारी किए गए सम्मानित

पुपरी : इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, उप जिला शाखा पुपरी के तत्वावधान में शनिवार को स्थानीय अग्निशमन कार्यालय में अग्निशमन सेवा सप्ताह के समापन के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अगलगी की घटनाओं में सराहनीय भूमिका निभाने वाले अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी पुरुषोत्तम, जवान राज कुमार, इमरान हुसैन, मनीष कुमार, माया कुमारी, काजल कुमारी, प्रकाश कुमार, पंकज कुमार समेत कुल 15 कर्मियों को रेडक्रॉस सदस्यों के द्वारा पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, मिथिला पाग एवं मिष्ठान्न का पैकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर रेडक्रॉस पुपरी शाखा के सचिव अतुल कुमार ने कहा कि सीमित संसाधन होने के बावजूद अग्निशमनकर्मी अपनी जान हथेली पर लेकर आग बुझाने का कार्य करते हैं, जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाय, कम ही होगी। वे अग्नि दुर्घटना होने पर आग बुझाने के साथ-साथ आग में फँसे लोगों को सुरक्षित निकाल उनकी जीवनरक्षा भी करते हैं। अतुल कुमार ने सभी अग्निशमन पदाधिकारी व कर्मियों के शौर्य, आत्मसंयम एवं त्याग के सिद्धांत पर चलने के लिए स्थानीय जनता की ओर से कोटिशः धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य मो. शाकिर हुसैन, मानस जालान, बुनियाद केंद्र प्रबंधक विनोद पासवान, दीपक कुमार, मिथिलेश कुमारी, प्रिया कपूर, अनुज कुमार झा, साकेत कुमार कर्ण, महंथ कुमार, राघवेंद्र प्रसाद, सोनू सिंह, अर्णव कुमार, मोहन पासवान, सुबोध राम आदि उपस्थित थे।

मिथिला डायरी

हजारों वर्षों में होता है ऐसा अवतरण

21 अप्रैल : परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंदजी महाराज (डॉ. नारायण दत्त श्रीमालीजी) अवतरण दिवस पर विशेष

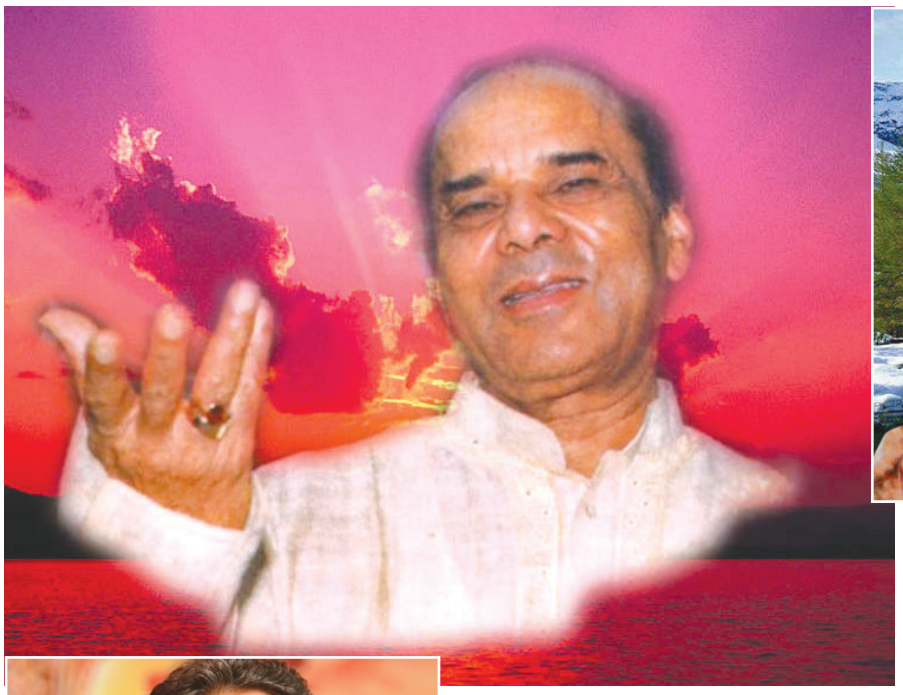

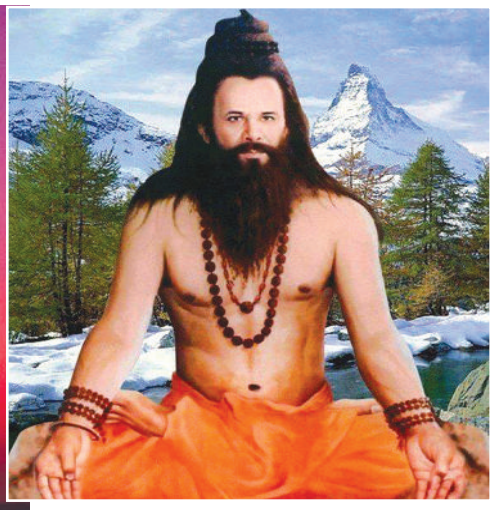

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

वेद ही सभी प्रकार की विद्याओं के आदि स्रोत हैं। ऋषियों ने वेदों के आधार पर अपनी-अपनी व्याख्या उपनिषदों में स्पष्ट की और यही ज्ञान आगे चलकर पुराण, संहिता आदि के रूप में स्पष्ट हुआ। जो ज्ञान हमारे प्राचीन ऋषियों ने दिया, वही ज्ञान मानव जीवन का आधार है। आज हम मानव सभ्यता के विकास की बात करते हैं। यह विकास उचित दिशा में हुआ है, लेकिन इसके साथ ही साथ जीवन का सार्वभौमिक सिद्धान्त-

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वेभद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दःख भाग्भवेत्।।

अर्थात सारे व्यक्ति रोग-शोक से रहित हों, सब लोग अपने जीवन में प्रसन्नता का अनुभव करें और स्नेह में निरन्तर वृद्धि हो, दुःख का सदैव नाश होता रहे। यह सिद्धान्त वेदों में ब्रह्मा के श्रीमुख से उद्धृत हुआ है, लेकिन आज यह सिद्धान्त कहां फलित हो रहा है? उन्नति की इस अंधी दौड़ में मनुष्य ने बाहर की यात्रा तो बहुत तेजी से की, नए-नए आविष्कार, दूरस्थ ग्रहों की यात्रा, विश्व में संचार सम्पर्क- सब कुछ बढ़ गया। जीवन के हर पक्ष के लिए विज्ञान ने नवीन रचनाएं कीं, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण स्थिति यह है कि क्या आधुनिक विज्ञान, मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा कराने में समर्थ हो सका? इतनी उन्नति के बावजूद संसार में असन्तोष, हिंसा, लूट-खसोट, व्यभिचार, अत्याचार, असुरक्षा की भावना बढ़ती ही जा रही है। आपसी प्रेम और सद्भाव क्यों कम हो रहा है? मनुष्य के जीवन में सुख के सभी उपकरण हैं, लेकिन अन्तर्मन में आनन्द के उपकरण कहां खो गए?

ये ज्वलन्त प्रश्न हैं, जिनका समाधान हमारे वेदों, उपनिषदों में स्पष्ट है। ज्योतिष, आयुर्वेद, योग, साधना, तपस्या इन्हीं से निकली हुई शाखाएं हैं।

विज्ञान हमारी वैदिक संस्कृति में मूल रूप से विद्यमान रहा है, इसीलिए चरक जैसे महान चिकित्सक, आर्यभट्ट और भास्कराचार्य जैसे खगोलशास्त्री भी हुए हैं, जिन्होंने वैज्ञानिक सिद्धान्तों की स्थापना की। इन्हीं के साथ महान ज्ञानी ऋषि भी हुए हैं, शंकराचार्य, गौतम, विश्वामित्र, वशिष्ठ, कणाद, वेद व्यास, जिन्होंने जीवन के सिद्धान्तों की व्याख्या की। उनके ज्ञान का मूल आधार यह था कि किस प्रकार मनुष्य अपने जीवन में जन्म से मृत्यु तक की यात्रा स्वस्थ शरीर और चित्त के साथ कर सके। इसके लिए मंत्रों की रचना हुई। तंत्र विज्ञान अर्थात क्रिया विज्ञान का विकास किया गया और उसके लिए आवश्यक उपकरण यंत्र का निर्माण हुआ। ब्रह्माण्डीय शक्ति, जिसे देव शक्ति माना गया, उसके और मनुष्य के बीच तारतम्य बैठ सके, उसी हेतु साधना विज्ञान विकसित किया गया। ऋषियों का निश्चित सिद्धान्त था कि ब्रह्माण्डीय शक्ति अनन्त है और इस अनन्त ऊर्जा से मनुष्य निरन्तर शक्ति प्राप्त कर सकता है। उस शक्ति को अपनी शक्ति के साथ संयोजन कर, योग कर जीवन के दुःखों का निराकरण कर सकता है। देवी-देवता, सम्मोहन, आकर्षण, साधान, विज्ञान, मन्त्र, अनुष्ठान, यज्ञ, मुद्राएं इसी सिद्धान्त का प्रकट स्वरूप हैं। ऋषियों की परम्परा में इस साधना ज्ञान का विका इस शताब्दी में नवीन रूप से अद्वितीय सिद्ध पुरुषों द्वारा किया गया है।

ऐसे ही विशेष दिव्यता के साथ हर युग में ईश्वरीय सत्ता का स्वरूप इस धरा पर महापुरुषों के रूप में प्रकट होता ही है, जो अपने ज्ञान, अपने चरित्र और अपनी चेतना द्वारा पूरे भूमंडल को एक नई दिशा प्रदान करते हैं। ऐसे युग-द्रष्टा मनुष्य के जीवन में ज्ञान की क्रान्ति लाते हैं।

हमारे जीवन का यह सौभाग्य है कि इस घटाटोप अंधकार भरे भौतिकता के आडम्बर में बंधी, अपने मूल मूल्यों से विमुख होती जा रही भारतीय संस्कृति को सद्गुरुदेव परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी (डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली) जैसे महान व्यक्तित्व अवतरित हुए, जिनके जीवन का प्रत्येक क्षण इस बात में व्यतीत हुआ कि किस प्रकार मानव मूल्य उदात्त हो, व्यक्ति अपने जीवन में स्वयं की इच्छा के अनुसार प्रसन्न-चित्त जीवन जी सके, अपनी आत्मा का प्रकाश स्वयं देख सके और उसे हर समय यह पूर्ण विश्वास रहे कि उसके पास भौतिकता के साथ आध्यात्मिक सत्ता, ईश्वरीय शक्ति, आराध्य शक्ति, गुरु शक्ति सदैव है, जो उसे जीवन के हर अंधकार भरे कुएं से बाहर निकालकर शुभ्र प्रकाश चेतना से आप्लावित अवश्य करेगी। उन्होंने यह मार्ग दिखाया कि भौतिकता और आध्यात्मिकता दो विपरीत ध्रुव नहीं हैं, दोनों का संगम मनुष्य के जीवन में अति आवश्यक है-

अन्यदेवाहुर्विद्ययान्यदाहुर्विद्यया।
इति शुश्रुम धीराणां ये नस्तद्विचक्षिरे।।

सद्गुरुदेव **डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली**, जिनका सन्यस्त नाम **परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी** है, ने इस ज्ञान को जन-जन की भाषा में विस्तृत रूप प्रदान करने हेतु अपने जीवन में संकल्प लिया। इसकी पूर्ति के लिए पूज्यश्री ने पूरे भारतवर्ष का भ्रमण किया, उन अज्ञात रहस्यों की खोज की, जिनके कारण मानव जीवन परिष्कृत और मधुर बन सकता है। उन्होंने संसार में रहकर सांसारिक जीवन को भी पूर्णता के साथ जिया, क्योंकि उनका यह सिद्धान्त था कि गृहस्थ जीवन की समस्याओं के पूर्ण ज्ञान हेतु गृहस्थ बनना आवश्यक है। अनुभव प्राप्त कर ही शुद्ध ज्ञान प्रदान किया जा सकता है। उनके द्वारा रचित सैकड़ों ग्रन्थों में मनुष्य के जीवन में त्रास को मिटाकर सन्तोष और तृप्ति प्रदान करने की भावना निहित है। इसी क्रम में उन्होंने मन्त्र-शास्त्र, तन्त्र-शास्त्र, सम्मोहन विज्ञान, ज्योतिष, हस्तरेखा, आयुर्वेद आदि को वैज्ञानिक एवं तार्किक रूप से स्पष्ट किया।

अपने जीवन की 65 वर्षों की यात्रा में मानव जीवन के लिए उन्होंने ज्ञान का अमूल्य भंडार खोल दिया, क्योंकि उनका कहना था कि ज्ञान ही शाश्वत है। इसी क्रम में उन्होंने सन् 1981 में 'मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र विज्ञान' मासिक पत्रिका प्रारम्भ की, जिसके माध्याम से सारे रहस्यों को स्पष्ट किया। आज उसी के बदले हुए स्वरूप में 'निखिल मन्त्र विज्ञान' लाखों घरों में पहुंच रही है और यह ज्ञान प्रदीपिका भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की धरोहर स्थापित कर रही है। यह पत्रिका ज्ञान का वह भंडार है, जो मानव जीवन के प्रत्येक पहलू से सम्बन्धित सभी समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करने के साथ-साथ जीवन को ऊर्ध्वमुखी गति प्रदान करने की दिशा में क्रियाशील बनाने का सार्थक प्रयास है।

अपना कार्य पूर्ण कर देने के पश्चात 3 जुलाई 1998 को सांसारिक काया का त्याग कर वे परमात्मा के साथ अवश्य समाहित हो गए, परन्तु आशीर्वाद स्वरूप उनके द्वारा स्थापित 'अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार' पूर्ण रूप से गतिशील है। उनके द्वारा प्रदान किया गया ज्ञान ही इसका आधार है और ज्ञान की इस अजस्र गंगा में लाखों शिष्य सम्मिलित हैं। अपने पूज्य पिताश्री के मार्ग पर चलते हुए यह ज्ञान की गंगा निरन्तचर प्रवाहित होती रहे, इसी दिशा में सदैव प्रयत्नशील हूं।

पूर्ण अवतारी पुरुष

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' में व्यास मुनि ने स्पष्ट लिखा है कि भगवान के अवतारी स्वरूप में दस गुण अवश्य ही परिलक्षित होंगे और इन्हीं दस गुणों के आधार पर संसार उन्हें पहचानेगा।

तपोनिष्ठः मुनिश्रेष्ठः मानवानां हितेक्षणः।
ऋषिधर्मत्वमापन्नः योगी योगविदां वरः
दार्शनिकः कविश्रेष्ठः उपदेष्टा नीतिकृत्तथा।
युगकर्तानुमन्ता च निखिलः निखिलेश्वरः।।
एभिर्दशगुणैः प्रीतः सत्यधर्मपरायणः।
अवतारं गृहीत्वैव जायते गुरुणां गुरुः।।

सद्गुरुदेव पूज्यपाद डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली जी, संन्यासी स्वरूप निखिलेश्वरानंद जी के जीवन का विवेचन आज यदि महर्षि व्यास द्वारा उद्धृत दस गुणों के आधार पर किया जाय तो निश्चय ही प्रारम्भ एक सुसंस्कृत ब्राह्मण परिवार में किया- सुदूर पिछड़ा रेगिस्तानी गांव था। जब इनका जन्म हुआ तो माता-पिता को प्रेरणा हुई कि इस तेजस्वी बालक का नाम रखा जाय- नारायण। यह नारायण नाम धारण करना और उस नारायण तत्व का निरन्तर विस्तार केवल युगपुरुष नारायण दत्त श्रीमाली के लिए ही संभव था, जिन्होंने अपने अल्पकालीन भौतिक जीवन में शिक्षा का उच्चतम आयाम ग्रहण कर 'पीएचडी' अर्थात डॉक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की।

बाल्यकाल से ही ज्योतिष, मंत्र-तंत्र, यज्ञ, आयुर्वेद का ज्ञान धारण किया और यह ज्ञान धारण कर भगवान राम, श्रीकृष्ण की भांति पूरे आर्यावर्त का भ्रमण किया और उसे चेतना दी। धर्म शुद्ध रूप से आज भी स्थापित हो सकता है, अतः युगधर्म के अनुसार धर्म को धारण करो। उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन में अपने कार्यों के द्वारा आलोचना-प्रत्यालोचनाओं के कंटकाकीर्ण मार्ग को पार करते हुए स्वयं के व्यक्तित्व द्वारा प्रभु के स्वरूप को स्पष्ट किया।

संसार के सभी धर्म-ग्रंथों में गुरु को सर्वाधिक सम्मान और आदर प्रदान किया गया है। यह गुरु शब्द अपने आपमें बहुत ही गरिमामय, उच्च, श्रेष्ठतायुक्त एवं पवित्र है, क्योंकि मानव का जीवन एक आवश्यक तत्व है और जीवन का आवश्यक तत्व गुरु है। इसीलिए हमारे भारतीय धर्म-ग्रंथों में समस्त देवताओं की पूजा, अर्चना विधि बतायी गयी है, परन्तु उन सबसे उच्च स्थिति में गुरु को ही रखा गया है। इसीलिए कहा गया है -

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवी महेश्वरः।
गुरुर्साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः।।

क्योंकि ब्रह्मा, विष्णु और महादेव से भी उच्चकोटि की कोई सत्ता है, जो पूरे ब्रह्माण्ड को गतिशील बनाये रखती है, तो वह ब्रह्म है...और ब्रह्म को यदि हम मूर्तिमंत रूप दें तो गुरु स्वरूप ही बनता है। इसीलिए गुरु शब्द की महत्ता जीवन के पल-प्रतिपल में, रेशे-रेशे में, कण-कण में और श्वास-श्वास में सर्वोपरि, अनन्य और अद्वितीय है।

सिद्धाश्रम के प्राण

सिद्धाश्रम देवताओं के लिए भी दुर्लभ और अन्यतम स्थान है, जिसे प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि के योगी भी तरसते हैं। प्रत्येक सन्यासी अपने मन में यही आकांक्षा पाले रहते हैं कि जीवन में एकबार सिद्धाश्रम प्रवेश का अवसर मिल जाय। यह शाश्वत पवित्र और दिव्य स्थल मानसरोवर और कैलाश से भी आगे स्थित है, जिसे स्थूल दृष्टि से देखा जाना संभव नहीं। जिनके ज्ञान-चक्षु जागृत हैं, जिनके हृदय में सहस्त्रार का अमृत धारण है, वही ऐसे स्थल को देख सकता है। ऋग्वेद से भी प्राचीन यह स्थल अपने आपमें महिमामंडित है, जिसके संचालक परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी है, जिन्होंने अन्यतम योगियों के स्वामी सच्चिदानंद जी से पूर्णत्व दीक्षा प्राप्त की और आज वे सिद्धाश्रम के प्राण हैं। साधना और सिद्धियों के स्वामी पूज्य सद्गुरुदेव निखिलेश्वरानंद जी अपने शिष्यों के बीच सदैव विद्यमान हैं। ऐसे अद्वितीय योगी स्वामी निखिलेश्वरानंद जी को उनके अवतरण दिवस पर शत-शत नमन्।

प्रस्तुति : विजय कुमार झा

बोकारो स्टील को 250 एमवीए अतिरिक्त बिजली देगा डीवीसी, जरूरतें होंगी पूरी

अधिकारियों ने एकरारनामे पर किया हस्ताक्षर

संवाददाता

बोकारो : भारतीय इस्पात प्राधिकार लिमिटेड (सेल) की इकाई बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) को दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) 250 एमवीए की अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में डीवीसी और बीएसएल के बीच एक समझौता हो गया है। बोकारो स्टील सिटी में उनके बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। बता दें कि वर्तमान में डीवीसी बीएसएल (सेल) को 220 एमवीए बिजली की आपूर्ति करता है और एमओयू के अनुसार अतिरिक्त आपूर्ति 2027-28 से शुरू होगी।

सूत्रों ने बताया कि उक्त समझौता बीएसएल के आसन्न विस्तार के कारण अतिरिक्त बिजली की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। डीवीसी विभिन्न प्रतिष्ठानों में स्थापित की जा रही अपनी आगामी ब्राउन फील्ड थर्मल पावर परियोजनाओं से बढ़ी हुई मांग को पूरा करेगा। डीवीसी की ओर से कार्यकारी निदेशक (वाणिज्यिक) संजीव श्रीवास्तव, ईडी (सिस्टम) डीके सिंह, ईडी (वित्त) जॉयदीप मुखर्जी इस अवसर पर उपस्थित थे, जबकि बीएसएल की ओर से ईडी (वर्क्स), ईडी (परियोजनाएं) और ईडी (वित्त) के अलावा दोनों पक्षों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएसएल की अग्नि-सुरक्षा में जुड़ा नया आयाम

बोकारो इस्पात संयंत्र की अग्नि-सुरक्षा में नया आयाम जुड़ गया है। बीएसएल के अग्निशमन सेवा विभाग में पानी और फोम से आग बुझाने वाले और नए 10 फायर टेंडर हुए शामिल हो गए हैं राष्ट्रीय अवसंरचना के विकास के लिए अग्नि सुरक्षा में जागरूकता के लिए 14 से 20 अप्रैल तक मनाए जाने वाले अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी की उपस्थिति में मंगलवार को बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य अग्निशमन विभाग में 10 नए वाटर सह फोम टेंडर को औपचारिक रूप से शामिल किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पीके बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा) बीके सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) वीके सिंह, कमांडेंट (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) नितिन त्यागी के साथ अग्निशमन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुदृढ़ होगी अग्निशमन क्षमता : ईडी

मौके पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि अग्निशमन विभाग में 10 नए वाटर सह फोम टेंडर के शामिल होने से बोकारो स्टील प्लांट के अलावा बोकारो स्टील सिटी की अग्निशमन क्षमता सुदृढ़ होगी। उन्होंने अग्नि-सुरक्षा में जागरूकता के लिए 14 से 20 अप्रैल तक मनाए जाने वाले अग्निशमन सेवा सप्ताह के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की अग्निशमन शाखा को बधाई देते हुए आनेवाले गर्मी के मौसम में और सजग रहने के लिए कहा। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (अग्निशमन सेवा) कुमार रजनीश और सहायक कमांडेंट (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) मनोज चौहान ने किया।

सेल ने पाई आल इंडिया पब्लिक सेक्टर वॉलीबॉल टूनार्मेंट में खिताबी जीत

भोपाल में ऑयल इंडिया टीम को हराकर जीती प्रतियोगिता

संवाददाता

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने ऑल इण्डिया पब्लिक सेक्टर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एआईपीएसएससीबी) द्वारा 15 से 18 अप्रैल, 2024 तक भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर वॉलीबॉल टूनार्मेंट-2024 जीतने का गौरव हासिल किया है। इससे पहले हाल ही में एआईपीएसएससीबी द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित आल इण्डिया पब्लिक सेक्टर हॉकी टूनार्मेंट में भी भारतीय खाद्य निगम को हराकर सेल चैंपियन बनकर उभरा था। सेल ने ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर वॉलीबॉल टूनार्मेंट में ऑयल इंडिया को (3-0) से हराकर, इस टूनार्मेंट का चैंपियन का खिताब हासिल किया। इस टूनार्मेंट में कुल नौ (09) पब्लिक सेक्टर यानि सेल, एलआईसी, बीएसएनएल, कोल इंडिया, निवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन, ऑयल इंडिया, ईएसआईसी, बीएचईएल और नाल्को ने भाग लिया।

सेल द्वारा लगातार जीती गई ट्रॉफियां, खेल और एथलेटिक प्रतिभाओं को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने और आगे बढ़ाने के प्रति कंपनी के निरंतर समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। कंपनी देश की उभरती खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए देश के विभिन्न स्थानों पर कई खेल अकादमियों को चलाती और उनका संचालन करती है। कंपनी खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने और प्रतिभाओं को निखारने के अलावा खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर प्रदान करने के लिए अपने संयंत्रों और इकाइयों में अंतर सेल खेल चैंपियनशिप भी आयोजित करती है। इसके अलावा,सेल स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड (एसपीएसबी) के तत्वावधान में सेल पूरे वर्ष विभिन्न खेल और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

पेज- 1 का शेष

टिकट, अदावत...

इलेक्ट्रोस्टील एवं बोकारो इस्पात संयंत्र में विस्थापितों के ऊपर लाठी चलती रही, उनके परिवार के लोग मौन होकर देखते रहे। संवेदना के नाम पर बेरमो विधायक का एक भी बयान नहीं आना यहां के विस्थापितों के साथ बहुत बड़ा धोखा है।

'कार्यकर्ता जानना चाहते हैं तय की गई रकम'

श्री सिंह व श्री दुबे ने कहा कि एक ही घर में एक विधायक दूसरा बोर्ड निगम और तीसरा एम.पी. का टिकट देने का क्या कारण है? जब उसी परिवार को टिकट देना था, तो युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी के लिए आन्दोलन कर अपनी हड्डियां तोड़वाई एवं खून भी दिया, तो उसमें क्या बुराई थी? उसे झारखण्ड के पूरे युवा पसंद करते हैं। कितने में बिका टिकट, धनबाद लोकसभा क्षेत्र की जनता यह जानना चाहती है। उन्होंने कहा कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र से रहे पूर्व सांसद ददई दुबे, आलोक दुबे एवं वर्तमान झरिया विधायक नीरज पूर्णिमा सिंह, बोकारो विधानसभा क्षेत्र से एक लाख वोट लेकर श्वेता सिंह या धनबाद लोकसभा क्षेत्र से ऐसा कोई महागठबंधन कोई प्रत्याशी नहीं था, जो यह सीट जीतकर कांग्रेस की झोली में डाल सके? क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्त्ता और नेता यह जानना चाहते हैं कि कितने में टिकट की सौदेबाजी की गई। अनिल ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वह झारखण्ड प्रभारी और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष से बोकारो विधानसभा के टिकट की कीमत पूछना चाहते हैं। वे अपनी पार्टी के टिकट का दाम बताएं। आने वाले छह महीने बाद विधानसभा में वह उन दोनों को मुंहमांगी कीमत देकर टिकट खरीदने को तैयार हैं।

गुदगुदी

कंजूस पिता - बेटा मेरा ख्वाहिश है तू बड़ा होकर वकील बने।

बेटा- क्यों

कंसूस पिता- ताकि मेरा काला कोट तुम्हारे काम आ जाए।

टीचर (चिंटू से)- होमवर्क क्यों नहीं किया?

चिंटू- मैम, मैं जब पढ़ने बैठा तो लाइट चली गई।

टीचर- तो लाइट आने के बाद क्यों नहीं की पढ़ाई?

चिंटू- बाद में मैंनें इस डर से पढ़ने नही बैठा कि कहीं मेरी वजह से फिर से लाइट न चली जाए।

टिंकू रिक्शावाले से : स्टेशन जाने का कितना लोगे?

रिक्शावाला : 50 रुपए

टिंकू : 20 रुपए ले लो।

रिक्शावाला : 20 रुपए में कौन ले जाएगा?

टिंकू : तुम पीछे बैठो हम लेके जाएगा।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

देश-विदेश वर्णन

Postal Reg. No.- DNB- 072/2023-25
बोकारो रविवार 21.04.2024
News & E-paper : www.varnanlive.com

तपिश पर भारी मताधिकार

लोकसभा चुनाव 2024 ... भीषण गर्मी के बावजूद पहले चरण में भारी मतदान

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : आम चुनाव 2024 के पहले चरण के मतदान में भीषण गर्मी के बावजूद भारी मतदान दर्ज किया गया। मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा और विभिन्न क्षेत्रों के मतदाताओं ने नागरिक जिम्मेदारी व गौरव का शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। आम चुनाव 2024 के पहले चरण में, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की राज्य विधानसभाओं के लिए मतदान के साथ-साथ 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए 10 राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों में मतदान पूरा हो गया है। खास बात यह रही कि 45 डिग्री सेल्सियस तक वाली प्रचंड गर्मी और झुलसाती तपिश भी मताधिकार और लोगों के उत्साह के आगे फीकी पड़ गई। बूथों पर वोटर पूरे उत्साह के साथ पहुंचे और अपने देश के भविष्य को दशा-दिशा देने की जिम्मेदारी पूरी की।

आयोग ने पहले चरण के मतदाताओं और पूरी चुनाव मशीनरी को धन्यवाद दिया। पीआईबी सूत्रों के अनुसार, 21 राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों में मतदान का संभावित आंकड़ा 60 प्रतिशत से अधिक बताया गया है। त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और असम में 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। पहले चरण में सभी 21 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में मतदान सुचारु और शांतिपूर्वक चल रहा है। शुक्रवार सुबह 7 बजे 102 संसदीय क्षेत्रों में एक साथ मतदान शुरू होने पर मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े मतदाताओं को वोट देने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया। यह क्रम देर शाम तक जारी है। चुनाव आयोग के अनुसार पहले चरण में 6 बजे तक अरुणाचल प्रदेश की सभी दो सीटों पर 64.07, असम की 14 सीटों पर 70.77, बिहार की चार सीटों पर 46.32, छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर 63.41, मध्य प्रदेश की छह सीटों पर 63.25, महाराष्ट्र की पांच सीटों पर 54.85, मणिपुर की दो सीटों पर 68.62, मेघालय की सभी दो सीट पर 69.91, मिजोरम की एक सीट पर 53.96, नगालैंड की एक सीट पर 56.18, राजस्थान की 12 सीट पर 50.27, तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर 62.08, त्रिपुरा की एक सीट 76.10, उत्तर प्रदेश की आठ 57.54, लक्षद्वीप की एकमात्र सीट पर 59.02, पुडुचेरी की एकमात्र सीट पर 72.84, उत्तराखंड की सभी पांच सीटों पर 53.56, पश्चिम बंगाल की तीन सीट पर 77.57, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की एकमात्र पर 56.87 और जम्मू-कश्मीर की एक सीट 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार, मतदान केंद्रों के दृश्यों में समावेशी चुनाव सुनिश्चित करने के प्रयासों के सफल परिणाम देखने को मिले।

सीईसी करते रहे निगरानी : मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त (ईसी) ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के नेतृत्व में आयोग ने निर्वाचन सदन में ईसीआई मुख्यालय से सभी निर्वाचन क्षेत्रों में चरण 1 में मतदान की प्रगति की लगातार निगरानी की। इस उद्देश्य के लिए मुख्यालय में एक अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। राज्य/जिला स्तर पर भी ऐसे ही नियंत्रण कक्ष बनाये गये।

दिखीं लोकतंत्र की जीवंत तस्वीरें

व्यापक तौर पर शांतिपूर्ण और अनुकूल माहौल की पृष्ठभूमि में, देश के विविधतापूर्ण मतदाताओं ने लोकतंत्र की जीवंत तस्वीरें पेश कीं। भीड़-भाड़ वाले शहरी केंद्रों से लेकर दूरदराज के गांवों तक, मतदान केंद्रों पर पीढ़ियों और विभिन्न पृष्ठभूमि वाले मतदाताओं का रंगारंग जमावड़ा देखा गया। आयोग और उसके अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में सावधानीपूर्वक योजना व कार्यान्वयन के आधार पर निर्बाध मतदान की व्यवस्था की गई थी।

बुलेट पर बैलेट भारी

जनजातीय भीतरी इलाकों में मतदान की सुविधा पर आयोग के ध्यान के साथ, छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में समुदायों ने शांति और लोकतंत्र का रास्ता चुनते हुए, बुलेट के बजाय बैलट (मतपत्र) की शक्ति को अपनाया। लोकसभा चुनाव में बस्तर के 56 गांवों के मतदाताओं ने पहली बार अपने ही गांव में बने मतदान केंद्र पर वोट डाले। बीजापुर के मॉडल मतदान केंद्र पीसी-163 में मतदाताओं को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलता देखा गया। गढ़चिरौली-चिमुर, महाराष्ट्र से एक अन्य उदाहरण में हेमलकासा बूथ पर स्थानीय जनजातीय बोली का उपयोग किया गया था, जिसमें सभी संबंधित विवरण शामिल था। बिहार के बोधगया में, बौद्ध भिक्षुओं को मुस्कुराते हुए और अपनी उंगलियों पर गौरव का प्रदर्शन करते हुए देखा गया।

ग्रेट निकोबार में रचा गया नया इतिहास

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आदिवासी समुदाय के मतदाता बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए बाहर निकले। ग्रेट निकोबार की शोम्पेन जनजाति ने आमचुनाव-2024 में पहली बार वोट डालकर इतिहास रच दिया। मिजोरम में, एक बुजुर्ग जोड़े ने एक साथ मतदान करने का अपना संकल्प दोहराया। अरुणाचल प्रदेश में, एक बुजुर्ग महिला घर पर मतदान की सुविधा होने के बावजूद अपनी इच्छा से पैदल चलकर मतदान केंद्र तक पहुंची। देश के अधिकांश हिस्सों में मतदाताओं ने गर्मी का सामना किया, जबकि अन्य हिस्सों में मतदाता भारी बारिश के बीच धैर्यपूर्वक अपनी बारी की प्रतीक्षा करते रहे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर ईसीआई द्वारा दी गई सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उनके लिए बहुत मददगार थीं।

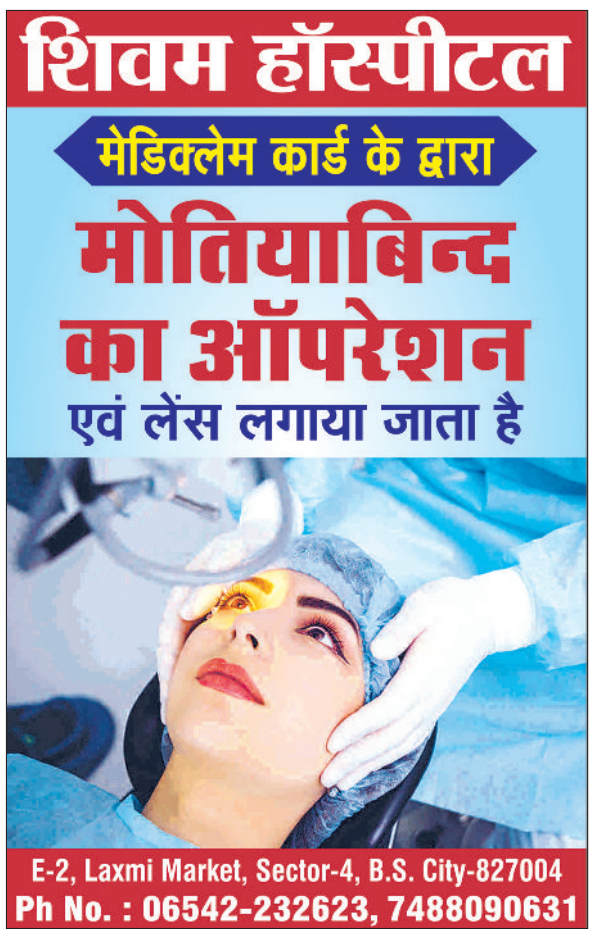

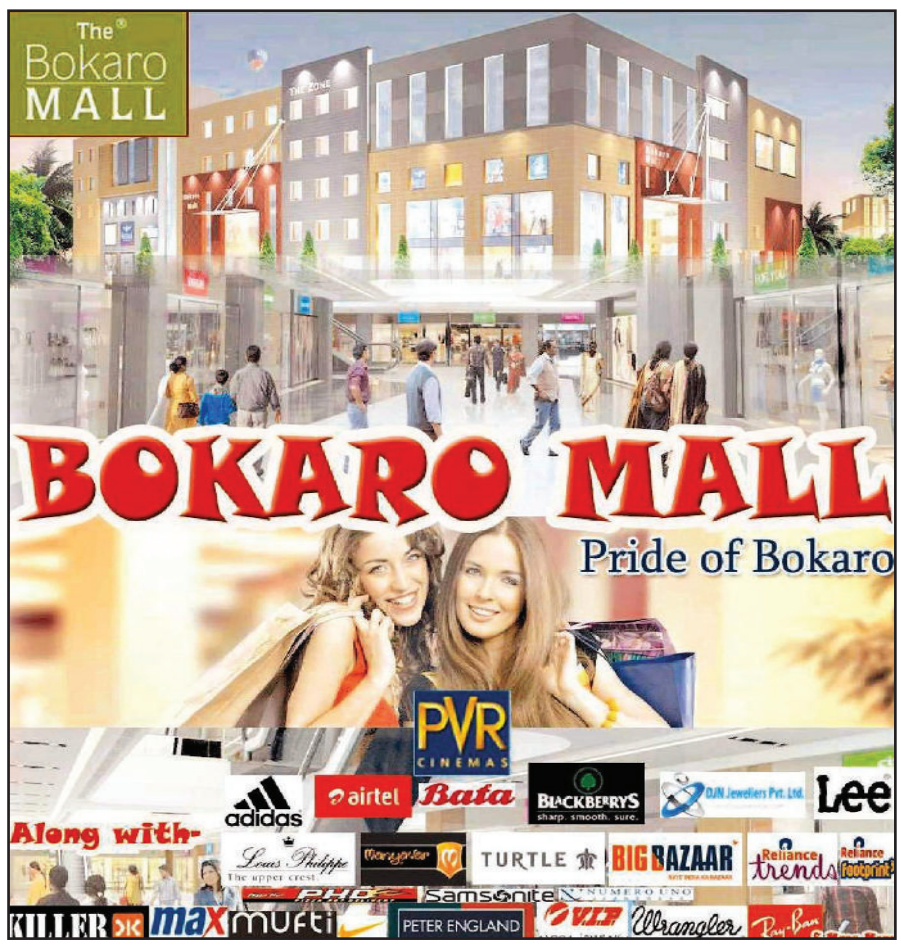

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)